gerous aspects in this proposal. Then a meeting was held in the Plann ng Commission on the 2nd May 19o2 under the Chairmanship of Dr. Khosla. The meeting was attended by representatives of the Planning Commission, the Railway Board, the Min stry of Transport and Communications, the Central Water and Power Comm.ssion, and the Municipal Corporation of Delhi. After discussing the pros and cons of Dr. Uppal's proposal the meeting came to the conclusion that it was not workable and was fraught w th risk and danger, and it was therefore not acceptable.

SHRI M. P. BHARGAVA: May I know whether Dr. Uppal has sent a written note or all the discussions have been verbal?

SHRI O. V. ALAGESAN: He has sent written notes.

RAJKUMARI AMRIT KAUR: Is it a fact that Dr. Uppal was never given a chance of present ng his case when it was discussed by these various bodies?

SHRI O. V. ALAGESAN: I cannot answer that because I take it that he should have been given a chance. All his proposals were d scussed on merits. I do not know whether he was personally called in and questioned about the proposal, I am not able to say.

श्री नवाबसिंह चौहान : क्या श्री उप्पल की जो योजना थी उसको अस्वीकार कर दिया और क्या उस के बदले में सरकार की कोई दूसरी योजना है ताकि यहां दिल्ली में जो बाढ़ें आ जाती हैं जिस से बहुत नुक्सान होता है वह किसी तरीके से रुक सके ?

SHRI O. V. ALAGESAN: As far as the question of floods is concerned, there are several proposals which have been examined in consultat.on with the Punjab Government and the Delhi and the U.P. authorities.

SHRI M. P. BHARGAVA: May I know whether it has been considered that the taming of the river is not only necessary for contro.ling the floods but it is all the more essential to keep a constant supply of water for power supply purposes in Delhi?

SHRI O. V. ALAGESAN: I gave the experts' opinion on the matter with regard to the particular proposal.

आस्ट्रेलिया को भेजा गया भारतीय विज्ञान-विशेषज्ञ

*३९७. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि श्री आर० एम० कौल, नामक एक वैज्ञानिक आस्ट्रेलिया भेजे गये हैं ;

(ख) यदि हां, तो वह किन किन समस्याओं के अध्ययन के लिये भेजे गये हैं और वह कब तक वहां रहेंगे ; और

(ग) क्या उनसे समय समय पर कार्य की प्रगति के सम्बन्ध मे कोई प्रतिवेदन आते रहते हैं और वह वहां पर अब तक क्या क्या कार्य कर चुके हैं ?

†[INDIAN SCIENCE EXPERT SENT TO AUSTRALIA

*397. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Shr R. M. Kaul, a scientist has been sen to Australia;

(b) if so, what are the problem for the study of which he has beei sent there and how long he will sta; there; and

†[ ] English translation.

(c) whether any reports about the progress of work are received from him from time to time and what is the work that he has finished there so far?]

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम सुभग सिंह) : (क) जी हां, एक यूनेसको शिक्षा वृत्ति के अन्तर्गत ।

(ख) श्री आर० एम० कौल को बंजर भूमि अनुसन्धान के वन-वृक्ष-विज्ञान के स्वरूपों के अध्ययन के लिए कुल सात महीनों के लिए भेजा गया है, जिन में से वह तीन महीने आस्ट्रेलिया में, दो महीने संयुक्त राज्य अमरीका में और एक एक महीना मोराक्को और इजराइल में लगायेंगे ।

(ग) उन्होंने १३ जून, १९६२ को भारत से प्रस्थान किया। अभी तक उन से कोई रिपोर्ट नहीं आई है ।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI RAM SUBHAG SINGH): (a) Yes, Madam, under a Unesco fellowship.

(b) Shri K. M. Kaul has been deputed for a study of the Silvicultural aspects of arid land research for a total period of seven months of which 3 months will be spent in Australia, two months in the USA and one month each in Morocco and Israel.

(c) He left India on 13th June, 1962. No reports have been received from him yet.]

श्री नवाबसिंह चौहान : क्या जैसा कि अक्सर देखा जाता है कि बाहर से विदेशों में इस तरीके की शिक्षा प्राप्त करने का जो वजीफा दिया जाता है या यहां से विद्यार्थी सरकार की तरफ से वजीफे पर भेजे जाते हैं, उनका उपयोग बाद में नहीं हो पाता है ? तो क्या सरकार के पास कोई योजना है कि जब विशेषज्ञ वहां से लौटकर, शिक्षा प्राप्त कर के या तजुर्बा प्राप्त करके आ जायें, तो उनकी सेवाओं का समुचित उपयोग हो सके ?

श्री राम सुभग सिंह : अभी केवल आठ वर्ष तक ये सरकारी काम में रहे हैं। और जो अंदेशा माननीय सदस्य को है वह नहीं होना चाहिये क्योंकि जब वे लौटेंगे तो उनकी सेवाओं का उचित उपयोग कराने का यत्न किया जायगा।

SHRI M. RUTHNASWAMY: May I ask whether the Government has not asked this gentleman to submit periodical reports on this research in the several regions?

SHRI RAM SUBHAG SINGH: We have not asked for that. This gentleman left only on the 13th June, so it is not too late for him to send any report. But we have not asked for any report.

'लूट की रेलवे की शह' शीर्षक पत्र

*३९८. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनका ध्यान लखनऊ के एक दैनिक पत्र "स्वतन्त्र भारत" के २९ अप्रैल, १९६२ के अंक में "लूट की रेलवे की शह" शीर्षक से छपे एक पत्र की ओर दिलाया गया है ; और

(ख) यदि उपरोक्त भाग (क) का उत्तर 'हां' हो, तो क्या इस विषय में सरकार द्वारा कोई जांच की गई है; यदि हां तो उसका क्या परिणाम हुआ और क्या इस दल का कुछ पता लगाया जा सका है ?

†[LETTER ENTITLED 'LOOT KI RAILWAY KI SHAH'

*398. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether his attention has been drawn to a letter entitled "Loot Ki

†[ ] English translation.